राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 1.00 संख्या 154
क्विज मास्टर
सुपर कमांडो ध्रुव
एक होलोग्राम स्टीकर मुफ्त
NAG RAJ
ACTION YEAR
by अनुपम

शोहरत और इज्जत। ये तीन चीजें किसी भी
की जिन्दगी का मकसद होती हैं। पुराने जमाने में
इज्जत से काम चला लेते थे। फिर मध्य युग
पैसा भी कमाना चाहने लगे। क्योंकि बगैर पैसे
के इज्जत भी नहीं मिलती थी-
लेकिन आज वे ही लोग, जो सिर्फ पैसे और इज्जत पर संतोष कर लेते थे, अब केवल इतने पर ही नहीं रुकते। टी॰वी॰, केबल, सेटेलाइट और बढ़ते संपर्क सूत्रों के कारण उनमें शोहरत पाने की भूख भी बढ़ गई है। शोहरत पाने के लिए वे अपना सारा पैसा और अपनी सारी इज्जत भी दांव पर लगा सकते हैं। क्योंकि अगर बदनाम होंगे तो क्या नाम न होगा? यही शोहरत पाने की लालसा किसी को कर चोर व्यापारी बना देती है, किसी को भ्रष्ट राजनेता, किसी को दुर्दान्त अपराधी, और किसी को...
क्विज मास्टर
कथा : जॉली सिन्हा
चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार
सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय
सम्पादक : मनीष गुप्ता
हा हा हा। इस टाइम बम के धमाके से तू तभी बच सकता है, जब इससे पहले इससे बड़ा धमाका हो जाए। वह धमाका जिससे राजगद्दियां हिल जाती हैं। देश हिल जाते हैं। और दुनिया हिल जाती है।

महानगरों की तेज रफ्तार जिंदगी में इंसान की जिंदगी की कीमत कुछ भी नहीं रह गई है! उसकी जिंदगी को कुछ भी नहीं बचा सकता है। न इज्जत न शोहरत और न ही दौलत–
बल्कि ये तीनों चीजें अक्सर इंसान के लिए और ज्यादा खतरा पैदा कर देती हैं। इसी शोहरत और दौलत के कारण आज मौत के मुंह में झांक रहा है–
मशहूर क्विजमा... ब्रायन डिसूजा
...और मशहूर टी०वी० सीरियल 'क्विज आवर' के डायरेक्टर मिस्टर के० महेन्द्रू!
ह, हां मैं ब्रायन! पर तुम कौन हो? और हमको गुंडागर्दी से इस तरह यहां पर लाने का मतलब क्या है?
हमने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है भाई? फिरौती चाहिए तो बोलो! तुम जितना कहोगे हम तुमको देंगे! बस, हमको मारना मत!
फिरौती! उसके लिए तो खबर तुम दोनों के घर पर पहुंच गई है! और उनको पैसा पहुंचाने के लिए यहां का पता भी बता दिया गया है!
और रही गुंडागर्दी की बात तो इस रास्ते पर चलने के के लिए तुम लोगों ने ही मुझे मजबूर किया है!
हमने? ह... हम तो तुमको जानते तक नहीं हैं!
जानते तक नहीं? ध्यान से देखो! समय काफी गुजर चुका है!
पर मेरी शक्ल इतनी नहीं बदली है कि तुम दोनों मुझे पहचान तक नहीं पाओ!
लाइटें घूमकर उस शख्स के चेहरे पर

और ब्रायन एवं महेन्द्र दोनों ही चौंक उठे-
ग्रैंड क्विजमास्टर टीटो! तु... तुम जिंदा हो! हमको तो खबर मिली थी कि तुमने आत्महत्या कर ली है।
वैसे तुमने मुझे अपने मशहूर रेडियो क्विज प्रोग्राम से निकालकर मुझे आत्म हत्या करने के लिए मजबूर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी!
लगभग कर ही ली थी! पर ऐन वक्त पर संभल गया!
मुझे भी तुमको निकालकर ब्रायन को लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था टीटो! क्योंकि तुम क्विज प्रोग्राम मे पहेलिया और अटपटे दिमागी सवाल पूछने लगे थे!
'क्विज प्रोग्राम' में यह सब नहीं पूछा जाता है!
... इसे क्विज प्रोग्राम क्यों कहते हो! इसे जनरल नॉलेज प्रोग्राम कहा करो! सबसे गहरी नदी कौन सी है? सबसे ऊंचा पेड कौन सा है? आदमी मे हड्डिया कितनी होती हैं... यह क्विज नही जनरल नालेज है!
क्विज तो सिर्फ टीटो पूछता है! क्विजमास्टर टीटो! बताओ, वह कौन सा 'कर' है, जो लग गया तो मर गए, और नहीं लगा तो बच गए!
आ... आयकर?
नहीं, वह 'कर' नहीं!...
टक्कर!
??
अब देखते हैं कि पहले तुम लोग यह 'कर' चुकाते हो या तुम्हारे घर वाले यहां फिरौती पहुंचा-कर मेरा 'कर' चुकाते हैं!

लेकिन बॉस, आपने यहां का पता जिस तरह से लिखवाया है, उससे तो कोई यहां तक पहुंच ही नहीं सकता।
हां, मैंने पता लिखवाया है 'लंगूर का इक्कीसवां घर जहां मिले मोती भर-भर'।
अगर क्विज मास्टर ब्रायन के घर वाले होकर भी वे पहेली नहीं सुलझा पाते तो उन्हें मरना ही चाहिए।
मौत सचमुच ब्रायन और महेन्द्र से इंच-इंच के फासले से गुजर रही थी-
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
और इधर उसको बचाने के प्रयास गति पकड़ रहे थे-
हमने अपना सिर पूरी तरह से खपा लिया ध्रुव! पर उस पागल ग्रैंड मास्टर द्वारा दिए गए पते का पता नहीं लगा पाए!
मेरे पति को बचा लो ध्रुव! ब्रायन को बचा लो! हम सारा पैसा देने को तैयार हैं!
बस हमको इतना बता दो कि पैसा किधर को पहुंचाना है!
धीरज रखिए, मिसेज ब्रायन! हम मिस्टर ब्रायन को जरूर ढूंढ निकालेंगे! मेरा आपसे वादा है!
लंगूर का घर! इक्कीसवां! पर लंगूर तो पेड़ पर रहते हैं! यह किसी बाग या जंगल के इक्कीसवें पेड़ की बात तो नहीं कर रहा? जो मोती बाग या मोती जंगल जैसे इलाके में हो?

हा हा हा! थोड़ी ही देर में तेरी मौत पुलिस वालों के लिए खुद एक पहेली बनकर रह जाएगी, ब्रायन!
बचाओ
इंजन तेजी से आगे बढ़ रहा था! और इस बार टक्कर हो ही जानी थी-
लेकिन ऐन वक्त पर इंजन का रुख मुड़ गया-
अरे! अरे! यह तो पटरी छोड़कर मेरी तरफ आ रहा है!... ...रज्जाक! गधे! क्या कर रहा है?
पर ऊपर नजर उठाते ही टीटो स्तब्ध रह गया-
अरे! रज्जाक तो बेहोश है! यानी... यानी... इंजन को कोई और कंट्रोल कर रहा है!
पर कौन? कालू! शिवा! राठी! कहां मर गए सब!
धड़धड़धड़

मरे नहीं, बेहोश हैं! तुम्हारी मदद को नहीं आ सकते हैं!
कौन?
सुपर कमांडो ध्रुव! तुम्हारी फिरौती लेकर आया हूं!
इस बंधी मुठ्ठी में! जिसको घूंसा कहते हैं!
सुपर कमांडो ध्रुव! हां... हां... नाम तो सुना है तेरा! पर तू यहां तक कैसे पहुंच गया? यहां का पता किसने दिया तुझे?
तुमने! अपने हिसाब से तो तुमने काफी पेचीदा पहेली भेजी थी। वैसे दो मिनट तक तो मुझे भी सोचना पड़ा। लेकिन जैसे ही समझ में आया कि 'लंगूर' एक बन्दर' होता है, वैसे ही समझ में आ गया कि 'लंगूर के घर' का मतलब 'बंदरगाह' से है। और 'मोती मिले भर-भर' का अर्थ 'पर्ल बंदरगाह' से है! ...

... क्योंकि अंग्रेजी में मोती को 'पर्ल' कहते हैं। और इक्कीसवें घर का मतलब 'पर्ल हार्बर' यानी पर्ल बन्दरगाह पर इक्कीसवां गोदाम हो सकता था! और यहीं पर मुझे ब्रायन भी मिल गया, और तुम भी!
बहुत अच्छे! अब यह भी बता दो कि वह क्या है जो एक कान से जाता है, और दूसरे कान से निकल आता है!...
तुम्हारा मतलब गोली से है, जो तुम्हारा आदमी मुझ पर चलाने वाला था?
सटाक
नहीं! यह तुम्हारी पहेली का जवाब नहीं है!
कड़ाक
इसका सही जवाब है मेरी तुम अपराधियों को सुधरने की सलाह! जो तुम लोग एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हो!
ताड़
आऽऽऽह! देखो, हाथ से नहीं, मुंह से बात करो!

... वरना म... मैं... मैं भाग खड़ा होऊंगा!
भागकर कहां जाओगे? मैंने पुलिस हैडक्वार्टर को मैसेज भेज दिया है! अब पुलिस यहां पर आती ही होगी!
यह इतना घबरा गया है कि दरवाज़े की तरफ भागने के बजाय दूसरी तरफ भाग रहा है!
ध्रुव यह नहीं समझ रहा था-
कि यह घबराहट क्विजमास्टर टीटो की चाल भी हो सकती है-
ध्रुव का पैर एक खास जगह पर पड़ते ही टीटो ने दीवार पर लगे एक बटन को दबा दिया-
और ध्रुव के ऊपर अर्द्धगोलाकार शीशे का एक खोल आ गिरा-
हा हा हा! तो भई सुपर कमांडो ध्रुव! अब तुम एक बड़ी मामूली पजल में फंस गए हो! देख रहे हो इस बुलेटप्रूफ शीशे के खोल के अन्दर गोलाकार दीवारें उठ रही हैं।... खेल तो तुमने भी खेला होगा। जिसमें के गोल छर्रे एक गोल डिबिया के बंद रहते हैं, और उस डिबिया को हिला-कर छर्रों को डिबिया के बीचो-बीच में लाना होता है!
बस, तुमको भी यही खेल खेलना है...

इस खेल की तरह! समझ लो तुम इस डिबिया में बन्द लोहे की गोली हो! और तुमको इस पजल केन्द्र तक पहुंचना है! क्योंकि इस 'पजल' से बाहर निकलने का रास्ता इस पजल के केन्द्र में ही है। और उस केन्द्र तक पहुंचने के लिए तुम्हारे पास सिर्फ तीस सेकंड हैं! क्योंकि तीस सेकंड बाद इन छेदों से निकलती 'नर्वगैस' तुम्हारा 'नर्वस सिस्टम' यानी स्नायु तंत्र नष्ट कर देगी, और तुम एक जीवित लाश बनकर रह जाओगे! योर टाइम स्टार्ट्स नाऊ! ... तीस... उनतीस...
उल्टी गिनती शुरू होते ही ध्रुव को कैद करने वाली विशाल पजल इधर-उधर हिलनी शुरू हो गई। और ध्रुव भी उसके साथ इधर-उधर फिसलने लगा-
फर्श बहुत चिकना है। इसके टेढ़ा होने पर मैं पैर जमा नहीं पा रहा हूं! मैं फिसलता जा रहा हूं। खैर, फिसलकर मैं जैसे ही इस दीवार में बने रास्ते तक पहुंचूंगा, मैं लपक कर उसके किनारे को पकड़ लूंगा!
लेकिन इससे पहले कि उसके हाथ किनारे को थाम पाते, पजल का फर्श दूसरी तरफ झुक गया, और ध्रुव फिर से दूसरी तरफ फिसल गया-
ओऽऽऽफ! यह क्या हुआ? इन दीवारों पर चढ़कर भी नहीं जाया जा सकता। क्योंकि ये दीवारें ऊपर शीशे की छत से एकदम चिपकी हुई हैं! और मुझे पूरा यकीन है कि मेरे एसिड कैप्सूल न तो इस शीशे पर असर डाल पाएंगे और न ही इन दीवारों पर। फिर मैं क्या करूं? समय कम है, और गैस तेजी से भरती जा रही है।
ध्रुव ने सोचा तो ठीक था-

अगर इन दीवारों में पकड़ने की एक भी जगह होती तो कम से कम पकड़-पकड़कर आगे बढ़ा जा सकता था! आह! ऐसी पकड़ तो मैं खुद बना सकता हूं!
अपने स्टार ब्लेड को इन दीवारों में धंसा-धंसाकर!
दीवार में धंसे हुए स्टार-ब्लेडों को पकड़-पकड़कर आगे बढ़ता हुआ ध्रुव –
एक बाधा को पार कर गया-
लेकिन फिर-
ओफ! स्टार ब्लेड्स खत्म हो गए! मुझे मालूम था, पर मैं उनको दीवार से निकालने के लिए इसलिए नहीं रुका, क्योंकि उन गहरे धंसे ब्लेडों को दीवार से निकालने में वक्त लगता, और मेरे पास अब सिर्फ बीस सेकंड बचे हैं!
अब स्टार लाइन का इस्तेमाल करना होगा!
पजल एक तरफ फिर से तिरछी हुई और ध्रुव फिर उसी दीवार के पार गिरता-गिरता बचा, जिसे पार करके वह अभी आया था-
ओऽऽऽ! बाल-बाल बचा! वरना वहीं पहुंच जाता, जहां से मैं आया था... क्विजमास्टर मुझे केन्द्र तक न पहुंचने देने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहा है! मुझे उसकी चाल विफल करनी ही होगी! पर अब मुझ पर नर्व गैस का असर हो रहा है, स्टार लाइन पर मेरी पकड़ ढीली हो रही है!

मैं इसको पकड़कर ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाऊंगा! पर इस 'पजल' के केन्द्र तक पहुंचने के लिए मुझे सिर्फ एक दीवार और पार करनी है! मुझे अपने होशो-हवास कायम रखने होंगे! लेकिन ताकत का क्या करूं? कहां से लाऊं एनर्जी?
एनर्जी? एनर्जी तो है! मेरे पास खत्म हो रही है तो क्या, इस पजल में तो एनर्जी है न? बिजली की एनर्जी देकर इसे हिलाया जा रहा है! और वह एनर्जी इस पजल में 'भौतिक ऊर्जा' के रूप में बदल-कर समा रही है. मैं इसी भौतिक ऊर्जा का इस्तेमाल करूंगा! अपने शरीर को यो-यो खिलौने सा बनाकर!
ध्रुव ने स्टार लाइन अपनी कमर से बांध ली-
और 'पजल' के एक तरफ लुढ़कते ही स्टार लाइन उसकी कमर से लिपटनी शुरू हो गई-
और दूसरी तरफ टेढ़ी होते ही स्टारलाइन ध्रुव के बदन को गोल-गोल नचाती हुई तेजी से खुलने लगी-
स्टारलाइन के पूरा खुलते ही ध्रुव ने अपने बदन को तेजी से एक उल्टा झटका दिया-
और जैसे 'यो-यो' नीचे से अपने आप ऊपर आ जाता है, वैसे ही ध्रुव का शरीर भी ढलान पर ऊपर की तरफ गोल-गोल नाचकर बढ़ने लगा-

और एक झटके के साथ ध्रुव, आखिरी बाधा पार कर चुका था-
आऽऽऽह! पच्चीस सेकंड से ऊपर हो चुके हैं! और मेरे शरीर की ताकत भी अस्सी प्रतिशत खत्म हो चुकी है
टीटो ने कहा था कि इसके केन्द्र से बाहर निकलने का रास्ता है। पर यहां नीलकड़ी का द्वार लगा है पता नहीं मुझमें इसको तोड़ने की ताकत बची है या नहीं!
ध्रुव के पहले वार में शायद इतनी ताकत नहीं थी कि वह एक तिल... तक को मार पाता-
आऽऽऽह, शरीर से आखिरी सांस भी निकलने वाली है, पर मैं हारूंगा नहीं. मैं क्विजमास्टर टीटो से पहली ही मुलाकात में मात नहीं खाऊंगा नहीं खाऊंगा,...
...नहीं खाऊंगा
ध्रुव द्वारा पूरी इच्छा शक्ति से किया गया वार, लकड़ी की बाधा को तोड़ता हुआ एक बटन से जा टकराया-
और ध्रुव को कैद करने वाले शीशे का आधा गोला, हवा में उड़ गया! साथ ही साथ दीवारें भी फिर से जमीन में धंसने लगीं-

तू 'पज़ल' से जिन्दा बाहर निकल आया. आश्चर्य! यानी तू बहुत खतरनाक है. अब मैं यहां तुमसे लड़ने के लिए रुकूंगा नहीं! पर मैं बहुत खुश हूं कि इस शहर में मुझे अपनी टक्कर का एक आदमी मिल गया. अब यह क्विज़मास्टर टीटो का वादा है कि वह जो भी अपराध करेगा, उसकी सूचना तुझे जरूर भेजेगा. तभी तो मज़ा आएगा इस शहर में अपराध करने का.
फिर मिलेंगे सुपर कमांडो ध्रुव. यह वादा रहा.
ओफ्फ! यह ब्रायन और महेन्द्र पर किसी केमिकल का स्प्रे करके भाग रहा है। और मुझे पूरा यकीन है कि यह स्प्रे खतरनाक की श्रेणी में ही आता होगा। मुझे इसके पीछे जाना चाहिए पर मुझ पर अभी भी नर्व गैस का थोड़ा सा असर बाकी है। मैं इसका पीछा करने की स्थिति में नहीं हूं!
किसी फिल्मी सीन की तरह ग्रैंडमास्टर टीटो के नजर से ओझल होते ही पुलिस पार्टी ने गोदाम में प्रवेश किया-
ध्रुव, क्या हुआ तुमको? तुम ठीक तो हो न? और वह पहेली मास्टर कहां है?
मैं ठीक हूं पापा! और वह पहेली मास्टर टीटो भाग चुका है! आप पहले ब्रायन और महेन्द्र को अस्पताल पहुंचवाइए।
और फिर अस्पताल में-
I.C.C.U.
उन दोनों की अब कैसी तबीयत है, डॉक्टर?
स्थिर है। परन्तु दोनों के मस्तिष्क के कई महत्वपूर्ण सेल नष्ट हो गए हैं. उनके फिर से बनने में काफी समय

कोई बात नहीं! हमारा हसबेंड का जान बच गया, यही बहुत है. जीजस इस ग्रेट!
वे दोनों अभी बयान देने की हालत में हैं या नहीं, डॉक्टर?
अभी तो वे पूरी तरह से होश में भी नहीं आए हैं, ध्रुव!...
...बयान तो दूर की बात है!
अस्पताल से जाते समय ध्रुव का दिमाग कई तरह के विचारों से भरा हुआ था-
मेरे लिए यह डूब मरने वाली बात है कि मेरी आंखों के सामने ब्रायन और महेन्द्र पर हमला हुआ, और मैं उन्हें बचा नहीं पाया!...
...लेकिन मैं क्विज़मास्टर टीटो को ढूंढ़ ही निकालूंगा! और अगर वह मुझे अपने अपराधों की पूर्व सूचना देने के वादे पर कायम रहा तो मुझको ज्यादा प्रयास करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी!

क्विज मास्टर टीटी यह वादा भूलने वालों में से नहीं था। क्योंकि जिस शोहरत की भूख से वह तड़प रहा था, वह उसे धीरे- धीरे मिल रही थी-
और ध्रुव के साथ उसके टकराव उसको शोहरत की उन बुलंदियों तक पहुंचा सकते थे, जहां तक पहुंचने का उसने सपना भर देखा था
आहा! बड़े दिनों बाद अखबार में अपना नाम आया है! पर यह अभी ग्यारहवें पेज पर है! इसको यहां से निकाल कर पहले पेज पर लाना है!...
... और इसमें यह ग्यारहवां पेज ही मेरी मदद करेगा.
चूहे-बिल्ली का खेल शुरू हो गया था बस, इतना तय होना बाकी था...
... कि चूहा कौन है, और बिल्ली कौन?
कैप्टेन! हमारी इंटरनेट की 'साईट' पर एक मैसेज आ रहा है! खास तुम्हारे लिए!
ATTN SUPER COMMANDO DHRUVA
'बड़ी- बड़ी' खिड़कियां, कुछ काली कुछ सफेद शब्दों से वाक्य बने, वाक्यों में छिपा भेद! यह मैसेज है या पहेली!
पहेली है करीम! यह जरूर क्विजमास्टर टीटी का मैसेज है!
यानी वह फिर कोई अपराध करने जा रहा है, और उसकी पूर्व सूचना के रूप में यह पहेली भेज रहा है।
काली खिड़कियां! सफेद खिड़कियां! वाक्य, शब्द, जैसे कुछ संस्थानों या दुकानों के काले शीशों पर कुछ-कुछ लिखा होता है, वैसा तो नहीं है.
ओ नो करीम! ऐसी जगह तो राजनगर में हजारों-हजार होंगी. यह मैसेज किसी खास जगह की तरफ इशारा कर रहा है
काली! सफेद कैसे.

मैं समझ गई! यह क्विजमास्टर टीटो द्वारा भेजी गई 'पजल' है। और काली सफेद 'खिड़कियों' वाली ऐसी पजल जिसमें शब्द और भेद भरे वाक्य होते हैं! सिर्फ 'क्रासवर्ड' ही हो सकती है!
साबित कर दिया, रेणु, कि गोबर की बदबू तुम्हारे सिर से नहीं, कहीं और से आती है! मैं तुम्हारा जो इम्तहान ले रहा था, उसमें तुम पास हो गई, वरना यह जवाब तो मैं थोड़ी देर में बताने ही वाला था!
से ही आती है, करीम! तुम्हारे सिर से क्योंकि तुम तो जवाब सूझने से पहले ही जवाब देने लगते हो!
शांत, शांत, रेणु! अभी तुम्हारा जवाब भी अधूरा है!
तुमने ही अभी कहा था न कि टीटो किसी खास जगह की तरफ इशारा कर रहा है! और क्रासवर्ड तो हजारों जगह प्रकाशित होती हैं। हमको एक खास क्रासवर्ड ढूंढनी है! और फिर उससे संबंधित जगह का पता लगाना है!
ऐसा है तो उस खास जगह का कोई क्लू इसी पजल में होना चाहिए! देखो, पजल है, बड़ी-बड़ी खिड़कियां! कुछ काली कुछ...
क्या क्लू है? हमको भी तो बताते जाओ!
मुझे तो फिर से गोबर की महक आ रही है!

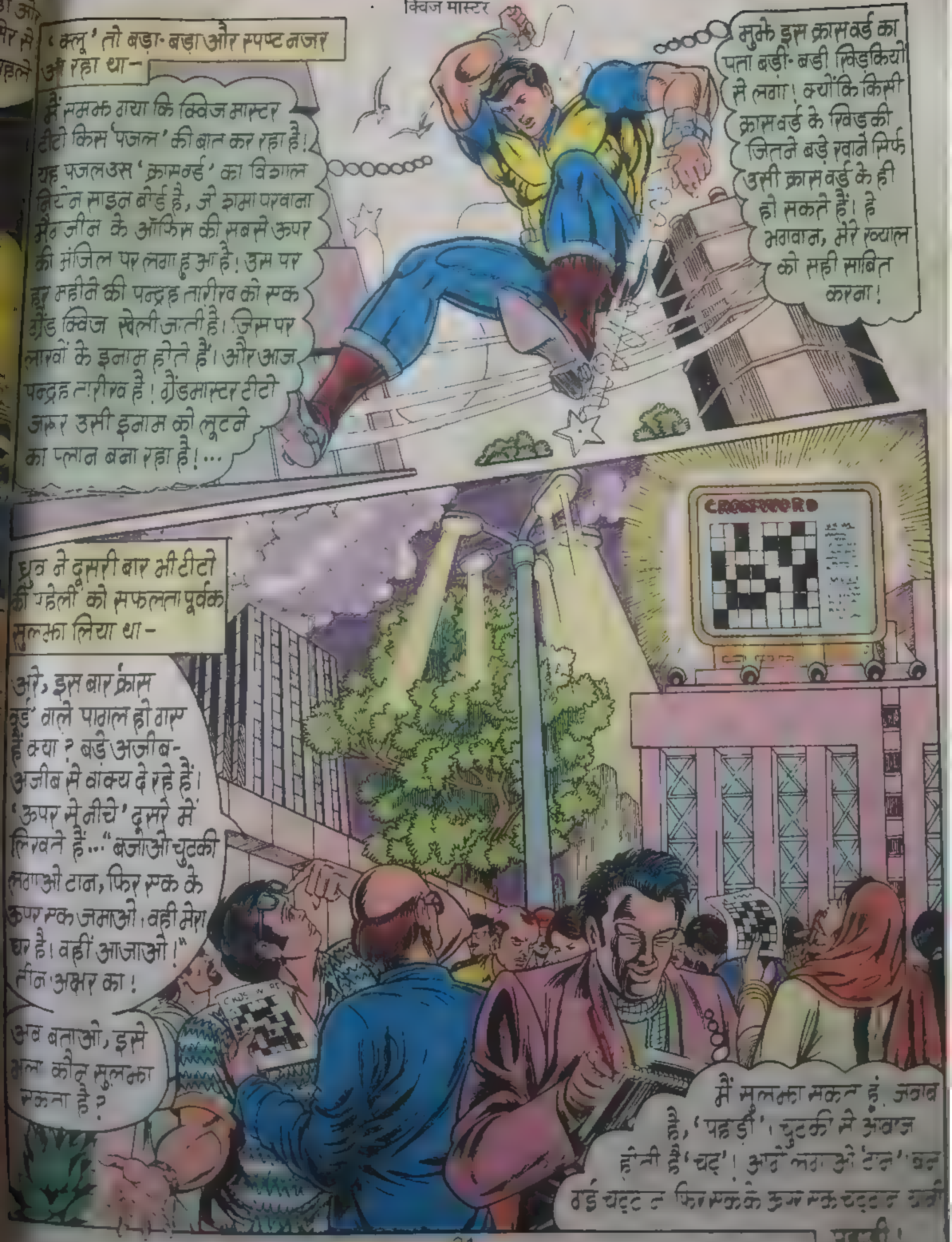
'क्लू' तो बड़ा-बड़ा और स्पष्ट नजर आ रहा था—
मैं समझ गया कि क्विज मास्टर टीटी किस 'पजल' की बात कर रहा है! यह पजल उस 'क्रासवर्ड' का विशाल निऑन साइन बोर्ड है, जो शमा परवाना मैगजीन के ऑफिस की सबसे ऊपर की मंजिल पर लगा हुआ है। उस पर हर महीने की पन्द्रह तारीख को एक ग्रैंड क्विज खेली जाती है। जिस पर लाखों के इनाम होते हैं। और आज पन्द्रह तारीख है! ग्रैंडमास्टर टीटी जरूर उसी इनाम को लूटने का प्लान बना रहा है!...
मुझे इस क्रासवर्ड का पता बड़ी-बड़ी खिड़कियों से लगा! क्योंकि किसी क्रासवर्ड के खिड़की जितने बड़े खाने सिर्फ उसी क्रासवर्ड के ही हो सकते हैं। हे भगवान, मेरे ख्याल को सही साबित करना!
ध्रुव ने दूसरी बार भी टीटी की पहेली को सफलतापूर्वक सुलझा लिया था—
CROSSWORD
अरे, इस बार क्रासवर्ड वाले पागल हो गए हैं क्या? बड़े अजीब-अजीब से वाक्य दे रहे हैं। 'ऊपर से नीचे' दूसरे में लिखते हैं..."बजाओ चुटकी लगाओ टान, फिर एक के ऊपर एक जमाओ। वही मेरा घर है। वहीं आजाओ!" तीन अक्षर का!
अब बताओ, इसे भला कौन सुलझा सकता है?
मैं सुलझा सकता हूं. जवाब है, 'पहाड़ी'। चुटकी से आवाज होती है 'चट'! और लगाओ 'टान' बन गई चट्टान फिर एक के ऊपर एक चट्टान बनी पहाड़ी!

और ये पहेली मैं इसलिए हल नहीं कर पा रहा हूं क्योंकि मैं बहुत इंटेलीजेंट हूं। बल्कि सच तो यह है कि 'क्रासवर्ड बोर्ड' पर जो जो लाइनें लिखकर आ रही हैं, मुझे वे भी पहले से पता हैं और उनके जवाब भी...
...और वह इसलिए क्योंकि मैं आदमी हूं!...
...क्विज़ मास्टर टीटो का...
जो इस वक्त 'क्रासवर्ड माइन' के कमरे में मौ...
वेरी गुड! अब दूसरी लाइन टाइप करो!... दांए से बाएं... नंबर चौथा... 'आखिरी लाइन!
और इसके 'डिस्प्ले' होने के साथ-साथ मेरा आदमी सही शब्द भरे हुए क्रासवर्ड को ले आएगा।
का पहला इनाम... दे देना, और बाकी... मारे इनाम में
दूसरे तीसरे और चौथे इनाम! क्योंकि इस क्रासवर्ड को और कोई तो हल नहीं कर पाएगा!
कुल इनाम की रकम हुई दस लाख।
बॉस! बॉस! यह रहा सही-सही भरा हुआ क्रासवर्ड!
लो! आ गया इस महीने का विजेता! अब दो इसे दस लाख रुपए!
अ... अजीब आदमी हो तुम! क्लू वाले वाक्य भी तुमने ही बनाए और जवाब भी तुमने ही दे दिया! और फिर इनाम मांगते हो! अच्छी लूट है!
लूट... लुटेरा... ये पैसे तो... इनाम में... हैं।

इस को 'जीतना' नहीं, 'चीटिंग' करना कहते हैं, टीटो. बेईमानी करना।
आऽऽऽ गया...
सुपर कमांडो ध्रुव!
हां! मैं आ गया, और तुम्हारे भागने का चांस चला गया।
अरे, भागेगा कौन? अभी तो तुमसे बहुत सारी पहेलियां बुझवानी हैं! अच्छा, बताओ...
...मरकर इंसान कहां जाता है?
और जवाब की मुझे जल्दी नहीं है!...
...कभी सपने में आकर बता जाना!
क्योंकि तुम्हारा हाड़-मांस का बदन तो अब बचेगा नहीं!
तड़
तड़
तड़

आऽऽऽह !
जहां तक भाग सकता है, भाग ले टीटी।
देखते हैं कि दस सेकंड में तू कितनी दूर भाग सकता है!
क्योंकि इतना ही समय लगेगा...
...मुझे तेरे आदमियों को बेहोश करने के बाद...

...तुम तक पहुंचने में!
ओह! तुम तो 'फास्ट फार-वर्ड' में काम करते हो। अब तो मैं पकड़ा जाऊंगा: बचने का कोई रास्ता नहीं है!...
...पर मैं जिन्दा पकड़ा नहीं जाऊंगा!
सुसाइड कर लूंगा! आत्महत्या!
अरे! अरे!
यह तो सचमुच नीचे कूद गया!
...बाहर झांकते ही ध्रुव को सच्चाई का पता चल गया-
ओह! इसने पहले से ही भागने का रास्ता तैयार कर रखा था। पुताई करने वाले और ऊंची इमारतों की खिड़कियां साफ करने वाले जिस यंत्र 'स्केफोल्ड' का प्रयोग करते हैं, उसे इसने पहले से ही लटका रखा था, और अब उसी से उतरकर भाग रहा है!...
...लेकिन इस बार मैं तुमको भागने नहीं दूंगा!
हट!
हा हा हा! मुझे बचाने वाले बहुत लोग हैं, ध्रुव! बताओ, इंसान किसके आगे झुक जाता है?

क्विजमास्टर भीड़ को चीरता हुआ उस 'सब-वे' की तरफ भागा रहा है. मुझे उसे रोकना होगा, क्योंकि उस सब-वे से पांच रास्ते अलग-अलग दिशाओं में निकलते हैं! अगर ये सब-वे में घुस गया तो न जाने किस दिशा में निकलेगा! फिर मैं इसे ढूंढ नहीं पाऊंगा.
क्विजमास्टर भाग नहीं पाया-
लेकिन ध्रुव उसे पकड़ भी नहीं पाया-

पैसों सहित यहां से निकल चुका...
आऽऽऽह! य...यह कैसे हो गया! यह 'इलेक्ट्रिक शॉक' तो बहुत तगड़ा था!
तेरे जैसे मरियलों के लिए तगड़ा होता होगा!...
...लेकिन ध्रुव ऐसे झटकों को रोज ही झेलता रहता है!
यानी अब मैं पकड़ा जाऊंगा!
देख, ध्रुव! तूने मेरी पहेली का जवाब नहीं दिया! लेकिन अब मैं जवाब दे देता हूं। जिस के आगे इन्सान हमेशा झुक जाता है... वह होता है गिरा हुआ नोट!
अब यही नोट मुझे बचाएंगे! दुख तो रहेगा कि ये नोट मैं साथ नहीं ले जा पाया! पर बच गया तो ऐसे बहुत कमाऊंगा!
ओऽऽऽऽ! ये सूटकेस के सारे नोट हवा में उड़ा रहा है! ...और साथ ही साथ 'सब-वे' में घुस रहा है! मैं इसकी चाल समझ रहा हूं!
SU
नोट!
इन सौ-सौ और पांच सौ के नोटों को लूटने के लिए सब-वे के रास्ते पर भारी भीड़ जमा हो जाएगी! रास्ता जाम हो जाएगा और मैं इस के पीछे-पीछे नहीं जा पाऊंगा। और ऊपर से भी रास्ता नहीं बचा है कि मैं स्टार का प्रयोग करके जा सकूं।
क्विज मास्टर मुझे मात दे गया है!

बस! मुझे मन मारकर एक बात का संतोष करना पड़ेगा! और वह ये कि टीटो पैसा लेकर भाग नहीं पाया. अब सबसे पहला काम पुलिस को बुलाकर लूट के इन रुपयों को जनता से वापस हासिल करना है.
ध्रुव की हर खबर पर पुलिस डिपार्टमेंट तुरन्त कार्यवाही करता था-
हमने नौ लाख पचपन हजार चार सौ रुपए तो रिकवर कर लिए हैं! पर बाकी पैसों का पता नहीं चला! मेरे ख्याल से कुछ लोग पैसे लेकर भाग निकले हैं! उनकी रिकवरी तो असम्भव है।
अरे, इतना रिकवर हो गया यही बहुत है; वरना पब्लिक तो मुझे मार-मारकर कब्र में भेज देती! धंधा चौपट होता सो अलग! आपने मेरी जानो-आबरू बचा ली ध्रुव भाई! आप फरिश्ता हैं, फरिश्ता!
फरिश्ता होता तो शैतान मेरे चंगुल से बचकर भाग नहीं पाता! पर इस बार वह अपने पते का कोई क्लू छोड़कर नहीं गया? उसे तो पूरी आशा थी कि मैं यहां पर आऊंगा।
आखिरकार...ओsss वह क्रास वर्ड! उस पर काली, पहाड़ी, और राजा लिखा हुआ है! कहीं यही तो वह क्लू नहीं, जिसकी मैं बात कर रहा हूं!
CROSS WORD
मिस्टर सादिक! क्या आपके पास क्रास वर्ड के क्लूस हैं?
ओ टीटो

ओह! 'पहाड़ी' शब्द का 'क्लू' है, चुटकी बजाओ फिर लगाओ तान! एक के ऊपर एक जमाओ, वही मेरा घर है। वहीं आ जाओ। यही क्लू है, जो क्विजमास्टर मुझे देकर गया है!...
...मुझे इसी 'क्लू' के सहारे क्विजमास्टर टीटो तक पहुंचना है! उसने जरूर काली पहाड़ी के उस रास्ते के ऊपर अड्डा बनाया हुआ है, जो राजापुर की तरफ जाता है। 'राजा' शब्द इसी तरफ इशारा कर रहा है!
लेकिन 'काली पहाड़ी' यहां से थोड़ी दूर है। यह सफर स्टार लाइन पर नहीं, मोटर साइकल पर तय करना होगा! और उसके लिए मुझे कमांडो हैडक्वार्टर वापस जाना होगा!
काली पहाड़ी का मैंने चप्पा-चप्पा उस वक्त छाना था, जब मैं ध्वनिराज की तलाश में वहां पर गया था! लेकिन वह काफी पुरानी बात हो गई है! अब तो वह जगह काफी बदल गई होगी!★
ध्रुव भाई! शर्बत तो पीते जाओ!
ध्रुव का ध्यान तो कहीं और ही था-
सिर्फ एक तरफ- और उस सोच की दिशा थी कि टीटो को कैसे सलाखों के पीछे पहुंचाया जाए-
यह 'टीटो' काफी खतरनाक लग रहा है ध्रुव! कहो तो मैं और रेणु भी तुम्हारे साथ चलें!
यस, कैप्टेन! करीम यहां का सारा काम संभाल लेगा!
नहीं, पीटर! मेरी अनुपस्थिति में तुम तीनों पर ही तो राजनगर की सुरक्षा का भार है। और वैसे भी अगर मैं अकेले क्विजमास्टर टीटो जैसे अपराधी से नहीं

फिल्मी हीरोज की तरह अपराधियों की भी एक खास स्टाइल होती है। और इस क्विज मास्टर टीटो की स्टाइल पहेलियों के सहारे अपराध करने की है। बस एक बात समझ में नहीं आ रही है।...
...हर बार कोई न कोई क्लू देकर मुझे अपना पता देने का मतलब क्या है? वह यह खतरा क्यों मोल ले रहा है? हर बार तो वह मुझसे बच नहीं सकता!
वरूँऊँऊँऊँऊँऊँऊँऊँSSSSSSS
खैर, इस बार इस सवाल का जवाब उससे ही पूछ लूंगा! फिलहाल तो यह बोर्ड बता रहा है कि मैं सही रास्ते पर जा रहा हूं!
लेकिन इस पहेली का मतलब क्या है? 'सावधान' आ... वही है, जो पीछे है। कृपया धी... चलें!
सावधान
आगे वही है..
जो पीछे है॥
कृपया धीरे चले

आगे वही है जो पीछे है! अरे! आगे एक बैरियर लगा है! लगभग चार फुट की ऊंचाई तक! यह जरूर टीटो द्वारा ही लगाया गया बैरियर है। वह मुझे रोकना चाहता है: शायद वह समझता है कि मैं चार फुट की ऊंचाई मोटरसाइकल से पार नहीं कर पाऊंगा! चाहे कुछ भी हो जाए, मुझे रुकना नहीं है... मुझे इस बैरियर को पार करना है। और उसके लिए मुझे अपनी गति को और बढ़ाना होगा!...
ध्रुव का हाथ, एक्सीलेटर पर घूम गया-
SSSS
बैरियर को पार कर गई-
और एक झटके के साथ मोटरसाइकल हवा में उड़ती हुई-
य... यह क्या? यह तो

और इसको क्विज मास्टर टीटो ने पहाड़ी रास्ते के गोल मोड़ पर इस तरह से रखा था कि मुझे सड़क मुड़ती दिखने के बजाय सीधी जाती दिखाई दे! और वह चार फुट ऊंचा अवरोध शीशे के आगे इसलिए रखा गया था ताकि मैं अपने प्रतिबिम्ब या मोटरसाइकल की लाइट को न देख सकूं!
अब भाई ध्रुव, मैंने तो तुमको सचेत कर दिया था! सड़क के किनारे बोर्ड भी लगा दिया था कि 'सावधान' आगे वही है, जो पीछे है! यानी पीछे का 'प्रतिबिम्ब' आगे नजर आ रहा है! पर तुम तो मेरी नीयत पर शक करके कूद गए! अब बताओ, मैं क्या करूं? हां तुम्हारे घर वालों को खबर जरूर भेज दूंगा।

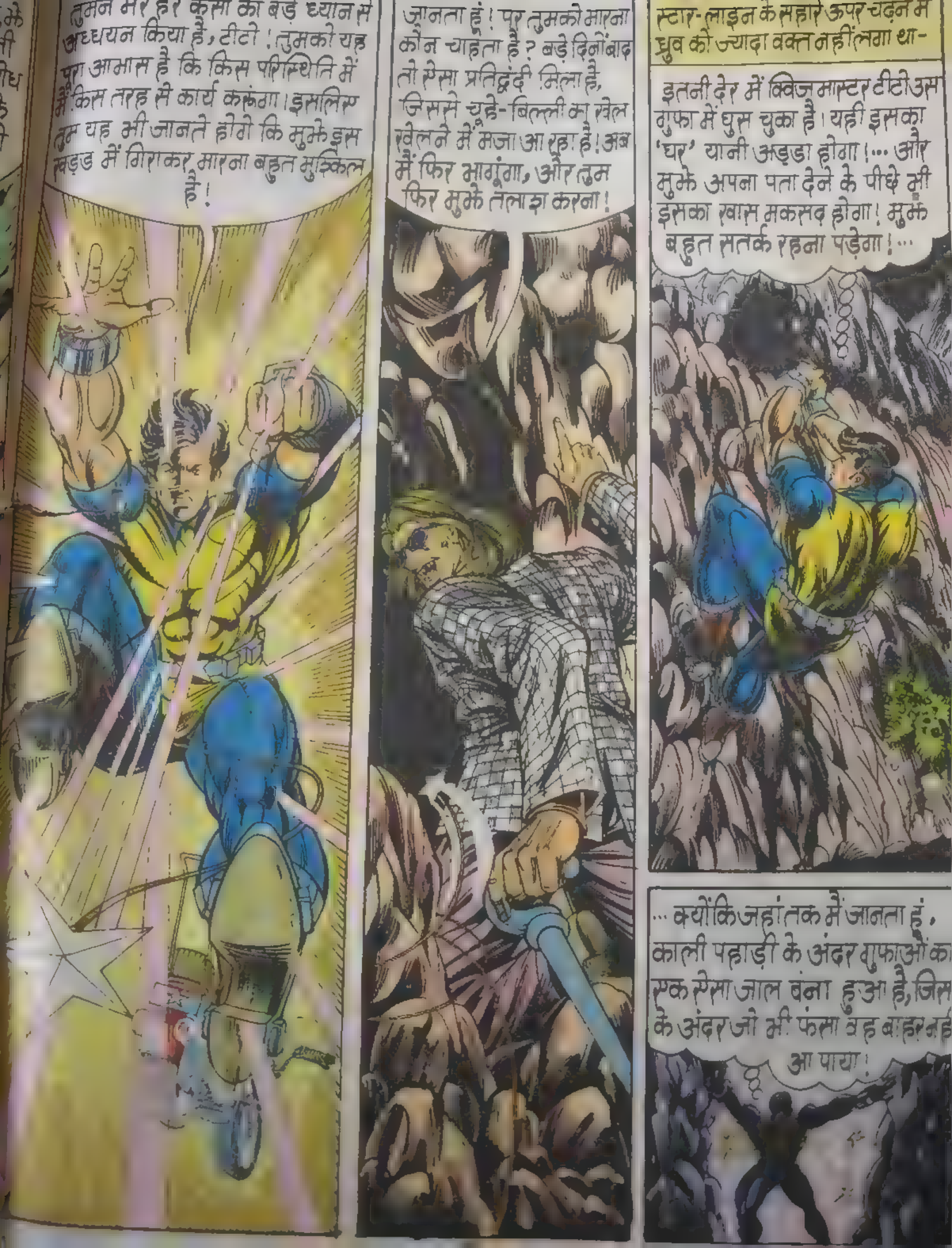

तुमने मेरे हर केस का बड़े ध्यान से अध्ययन किया है, टीटो! तुमको यह पूरा आभास है कि किस परिस्थिति में मैं किस तरह से कार्य करूंगा। इसलिए तुम यह भी जानते होगे कि मुझे इस खड्ड में गिराकर मारना बहुत मुश्किल है!
जानता हूं! पर तुमको मारना कौन चाहता है? बड़े दिनों बाद तो ऐसा प्रतिद्वंदी मिला है, जिससे चूहे-बिल्ली का खेल खेलने में मजा आ रहा है! अब मैं फिर भागूंगा, और तुम फिर मुझे तलाश करना!
स्टार-लाइन के सहारे ऊपर चढ़ने में ध्रुव को ज्यादा वक्त नहीं लगा था-
इतनी देर में क्विज मास्टर टीटो उस गुफा में घुस चुका है। यही इसका 'घर' यानी अड्डा होगा!... और मुझे अपना पता देने के पीछे भी इसका खास मकसद होगा! मुझे बहुत सतर्क रहना पड़ेगा!...
... क्योंकि जहां तक मैं जानता हूं, काली पहाड़ी के अंदर गुफाओं का एक ऐसा जाल बना हुआ है, जिसके अंदर जो भी फंसा वह बाहर नहीं आ पाया!

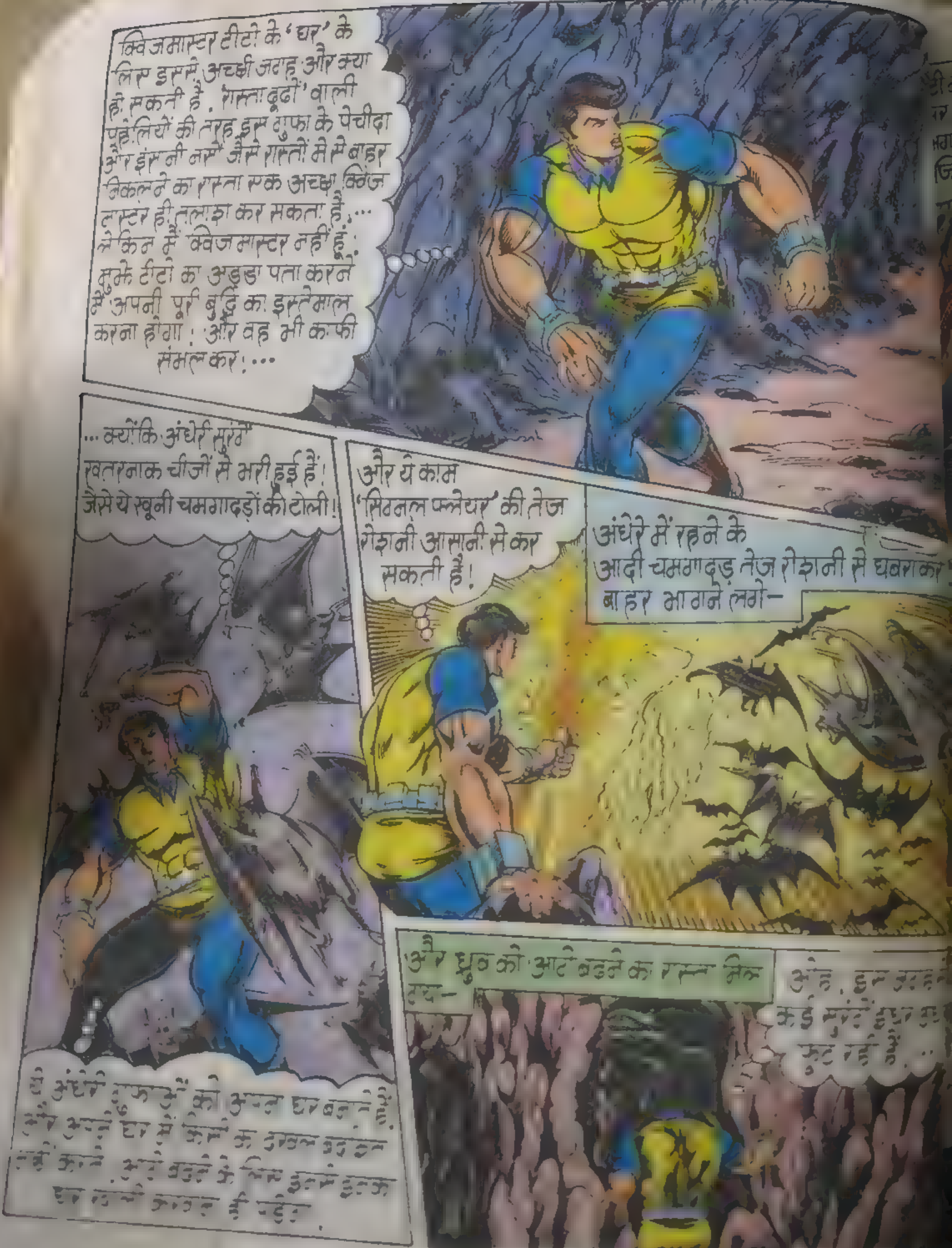
क्विजमास्टर टीटो के 'घर' के लिए इससे अच्छी जगह और क्या हो सकती है. 'रास्ता ढूंढो' वाली पहेलियों की तरह इस गुफा के पेचीदा और इंसानी नसों जैसे रास्तों में से बाहर निकलने का रास्ता एक अच्छा क्विज मास्टर ही तलाश कर सकता है,... लेकिन मैं क्विज मास्टर नहीं हूं. मुझे टीटो का अड्डा पता करने में अपनी पूरी बुद्धि का इस्तेमाल करना होगा! और वह भी काफी संभल कर!...
...क्योंकि अंधेरी सुरंगें खतरनाक चीजों से भरी हुई हैं! जैसे ये खूनी चमगादड़ों की टोली!
और ये काम 'सिगनल फ्लेयर' की तेज रोशनी आसानी से कर सकती है!
अंधेरे में रहने के आदी चमगादड़ तेज रोशनी से घबराकर बाहर भागने लगे–
और ध्रुव को आगे बढ़ने का रास्ता मिल गया–

टीटी इनमें से किसी एक सुरंग में गया है! पर किसमें? मुझे सही सुरंग चुननी होगी वरना अगर कहीं गलत सुरंग में घुस गया तो सारी जिन्दगी इन गुफाओं में ही घूमता रह जाऊंगा!
यहां बहुत अंधेरा है! 'स्टारटॉर्च' का इस्तेमाल करना... ओह! टीटी भी अंधेरे में तो देख नहीं सकता. वह भी जरूर किसी किस्म के प्रकाश का प्रयोग करके ही इन सुरंगों से गुजरता होगा. और जिस सुरंग में प्रकाश होता रहता हो, वहां पर चमगादड़ों के होने की संभावना बहुत कम है! अभी चेक कर लेता हूं!
ध्रुव ने जमीन से एक पत्थर उठाकर एक सुरंग के अंदर की छत पर फेंका-
और दर्जनों की तादाद में चमगादड़ बाहर आने लगे-
नहीं! यह वह सुरंग नहीं हो सकती
दूसरी सुरंग में पत्थर फेंकने का भी यही परिणाम हुआ-
लेकिन तीसरी सुरंग से कुल दो चमगादड़ निकले-
आह. मेरा ख्याल सही निकला! यही वह सुरंग है, जिसमें से होकर टीटी अपने अड्डे तक गया है।

आगे बढ़ते ध्रुव को एक बार फिर कई रास्तों में से एक रास्ते का चुनाव करना पड़ा -
लेकिन इस बार काम थोड़ा आसान था-
यहां पर रास्ता चुनना आसान है. टीटो ने अगर यहां पर अपना अड्डा बना रखा है तो वह बल्ब और बिजली का इस्तेमाल अवश्य करता होगा! या फिर शायद मशाल का! परंतु हर स्थिति में जहां पर इंसानी निवास होता है, वहां पर कुछ न कुछ गर्मी अवश्य होती है! और वह गर्मी सुरंगों के रास्ते से इधर-उधर फैल रही है!
और अब जब टीटो का अ पास आ चुका है, तो उस गर्मी मैं महसूस कर सकता हूं। टीटो की तरफ जाने वाली सुरंगों की हवा, बाकी सुरंगों की अपेक्षा थोड़ी सी ज्यादा गर्म है
...और हवा की बढ़ती गर्मी बता रही है कि टीटो का अड्डा पास आ रहा...
वेलकम ध्रुव! मेरे आदमियों के अलावा इस घर में आने वाले तुम पहले मेहमान हो! स्वागत है!
तभी- जीरो वॉट का एक बल्ब जल उठा। और सुरंगें, किसी जेनरेटर के कंपन से गूंजने लगीं-
और ध्रुव के पीछे एक मोटी चादर का खड़ा हो गया-
कौन कम्बख्त भाग है! खुद भागना तो दूर, तुम को भी भागने नहीं

ध्रुव पलटा, और उसको स्वाभावतः तुरंत ही अपनी आंखें बंद कर लेनी पड़ीं
ओह! क्विजमास्टर टीटो ने अपने पूरे शरीर पर होलोग्राम स्टीकर' जैसी पोशाक और खाल चढ़ा रखी है! और इस पर पड़ती तेज रोशनी अलग-अलग रंगों में परावर्तित होकर आंखों को चुंधिया रही है!
और वह इसलिए क्योंकि अंधेरे से अभी-अभी आने के कारण मेरी आंखें रोशनी की अभ्यस्त नहीं हुई हैं!...
हा हा हा! बता ध्रुव! अंधेरे के बाद क्या आता है?
रोशनी! ओह समझा! मुझे पहले से ही इस तरह के हमले के लिए तैयार रहना चाहिए था!
... तू कभी क्विजमास्टर नहीं बन सकता!...
...अंधेरे के बाद... और अंधेरा आता है!
देख! छा गया न तेरी आंखों के आगे अंधेरा!
ध्रुव, रोशनियों से बचने के चक्कर में वह वार बचा नहीं पाया-
और उसकी आंखों के आगे सचमुच अंधेरा छा गया-

आऽऽह, यह इस वक्त का भरपूर फायदा उठा रहा है कि मेरी आंखें अभी तक चौंधिया रही हैं और जब तक मेरी आंखें इसकी तरफ देखने लायक हो पाएंगी, तब तक
एक मिनट
इसकी परछाई नजर आ रही है और वह परछाई
कि मैं उसकी तरफ
और उसकी तरफ देखकर...
...मैं इन 'प्रश्न चिन्हों' से बच भी सकता हूं, और टीटी पर वार भी कर सकता हूं!
बड़ी सख्त जान है तू! हर बार मेरा वार झेल जाता है। पर ये मेरा अड्डा है। मेरा अड्डा! और इसमें मैंने तेरे लिए कुछ खास इन्तजाम करके रखे हुए हैं...
टीटी ने एक स्विच दबाया-

और ध्रुव का बदन हवा में उड़कर लोहे के अवरोध से जा चिपका-
इतनी घटिया चाल! मेरी ही चीजों से मुझे कैद करना चाहता है टीटो. इन चीजों को मुझे खोलना आता है! और एक बार ये खुल गईं तो चाहे ये चिपकी रह जाएं मैं आजाद हो जाऊंगा!
मैं जानता हूं!
इसीलिए इससे पहले कि तू इनको खोले, मैं डबल लॉक लगा देता हूं! 'मैग्नैटिक क्वैश्चन मार्क लॉक'!
इनको खोलना इन्सान के बस की बात नहीं है!

इन 'मैग्नेटिक लॉक' वाले कवच-चक्रों को तोड़ने की कोशिश में समय बर्बाद मत करना. इनको खोल पाना इन्सानी शक्ति से बाहर की बात है. अब भई, मैं तो अपने चिथड़े करवाने के लिए यहां पर रुकूंगा नहीं. पर मैं 'चीटिंग' भी नहीं करूंगा! जाने से पहले तुझे इस कैद की पहेली से छूटने का हल भी बताता जाऊंगा. देख, इस धमाके से तू तभी बच सकता है, जब इस धमाके से पहले वह धमाका हो जाए, जिससे ये गुफा तो क्या, यह शहर तो क्या... यह देश तो क्या... दुनिया हिल जाती है.
उमममफ!
वह धमाका कर ले, और अपनी जान बचा ले! बाय.

हालांकि तेरे बचने की सम्भावना जीरो परसेंट है! लेकिन फिर भी अगर तू बच गया, तो मैं तेरे लिए अपने पते की पहेली छोड़ जाऊंगा! पर भाई, एक बार फिर कह रहा हूं... मूर्ख बनकर मत आना!
ओह! यह क्विजमास्टर तो हर बार एक घातक पहेली छोड़ जाता है! और इस बार एक नहीं दो पहेलियां मुझे सुलझानी हैं! पहली तो यह कि मैं इस 'मैग्नेटिक कैद' से कैसे आजाद होऊं, और दूसरी यह कि आजाद होने के बाद इस बम से कैसे बचूं!
नहीं! मैं गलत सोच रहा हूं! पहले मुझे बम को निष्क्रिय करने का उपाय सोचना चाहिए! क्योंकि इस मैग्नेटिक कैद से आजाद होने की तो कोई समय सीमा नहीं है, पर बम के फटने की है!...
... लेकिन मैं बंधे-बंधे बम को फटने से कैसे रोक सकता हूं? क्विजमास्टर के अनुसार तो दूसरा ऐसा धमाका करो, जो दुनिया को हिला देता है ... क्या मतलब हो सकता है इस बात का? ऐसा कौन सा धमाका है? भूकंप या बिजली गिरने का! नहीं! ये पूरी दुनिया को नहीं हिला सकते! फिर क्या कोई विशाल उल्का के टकराने का... ओफ! ये मैं क्या सोच रहा हूं! भला मैं ऐसा धमाका कैसे कर सकता हूं? ...वान करे ऐसा धमाका कभी न हो! फिर. ओह... समझ गया!
वह 'धमाका' है खबर का धमाका! कोई सन-सनी खेज खबर कभी-कभी पूरी दुनिया को हिला कर रख देती है! यानी टीटो का इशारा अखबार की तरफ है!

शायद इस अखबार को हिलाने या गिराने से कुछ हो सके! पर मैं इस कैद में रहते हुए अखबार तक कैसे पहुंच सकता हूं? मेरे हाथ ऐसे कोण पर बंधे हैं कि न तो मैं की तरफ 'स्टार ब्लेड' छोड़ सकता हूं और न ही स्टार लाइन! पर एक रास्ता है मेरे पैर अभी भी जमीन पर ही हैं, और जमीन पर धंसे हुए हैं पत्थर के छोटे-छोटे टुकड़े अगर मैं इनमें से एक पत्थर को भी ढीला कर सकूं...
...तो मैं इस पत्थर को जूते से उछाल कर...
...निशाने पर फेंक सकता हूं पर निशाना एक बार में ही लगना चाहिए, क्योंकि अब पांच मिनट बीतने हैं
...कुछ ही सेकंड बाकी
आहा! लग गया!...पर अब क्या होगा?
अगले ही पल ध्रुव को पता चल गया कि अगली घटना क्या घटने वाली थी–
आऽऽऽह! अखबार में जरूर कोई 'सोनिक बम' रखा हुआ होगा। क्योंकि अखबार गिरते ही, इसमें से तेज आवाज और धुआं निकल रहा है। ओफ! मैं तो कानों पर हाथ भी नहीं रख सकता!★

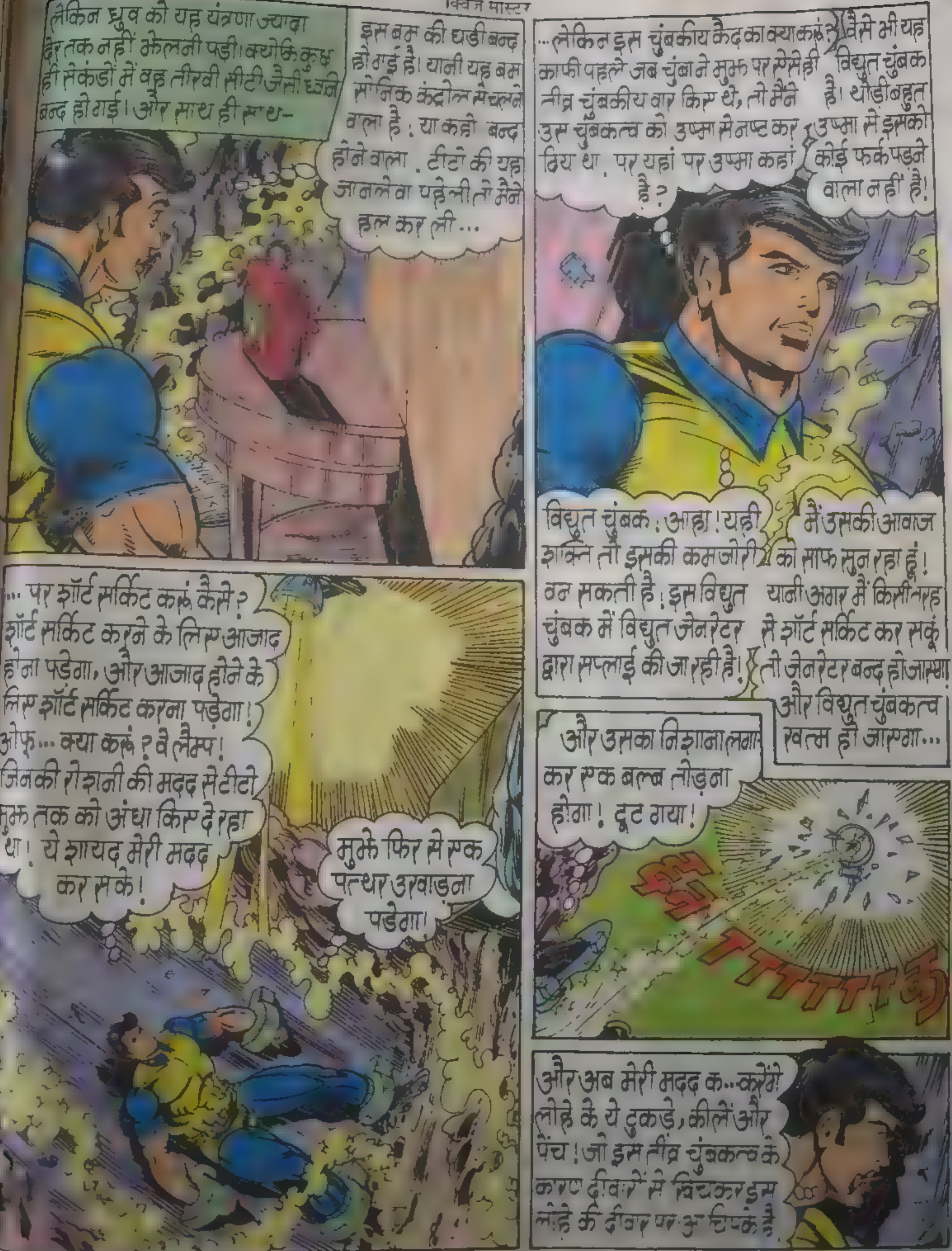
लेकिन ध्रुव को यह यंत्रणा ज्यादा देर तक नहीं झेलनी पड़ी। क्योंकि कुछ ही सेकंडों में वह तीखी सीटी जैसी ध्वनि बन्द हो गई। और साथ ही साथ-
इस बम की घड़ी बन्द हो गई है। यानी यह बम सोनिक कंट्रोल से चलने वाला है; या कहो बन्द होने वाला. टीटो की यह जानलेवा पहेली तो मैंने हल कर ली...
...लेकिन इस चुंबकीय कैद का क्या करूं? काफी पहले जब चुंबा ने मुझ पर ऐसे ही तीव्र चुंबकीय वार किए थे, तो मैंने उस चुंबकत्व को उष्मा से नष्ट कर दिया था, पर यहां पर उष्मा कहां है?
वैसे भी यह विद्युत चुंबक है। थोड़ी बहुत उष्मा से इसको कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है!
विद्युत चुंबक; आहा! यही शक्ति तो इसकी कमजोरी बन सकती है; इस विद्युत चुंबक में विद्युत जेनरेटर द्वारा सप्लाई की जा रही है!
मैं उसकी आवाज को साफ सुन रहा हूं! यानी अगर मैं किसी तरह से शॉर्ट सर्किट कर सकूं तो जेनरेटर बन्द हो जाएगा और विद्युत चुंबकत्व खत्म हो जाएगा...
... पर शॉर्ट सर्किट करूं कैसे? शॉर्ट सर्किट करने के लिए आजाद होना पड़ेगा, और आजाद होने के लिए शॉर्ट सर्किट करना पड़ेगा! ओफ्... क्या करूं? वे लैम्प! जिनकी रोशनी की मदद से टीटो मुझ तक को अंधा किए दे रहा था! ये शायद मेरी मदद कर सकें!
मुझे फिर से एक पत्थर उखाड़ना पड़ेगा।
और उसका निशाना लगा कर एक बल्ब तोड़ना होगा! टूट गया!
और अब मेरी मदद क..करेंगे लोहे के ये टुकड़े, कीलें और पेंच! जो इस तीव्र चुंबकत्व के कारण दीवारों से खिंचकर इस लोहे की दीवार पर आ चिपके हैं

अब अपने मुंह को 'बंदूक' और इस कील को 'गोली' बना कर इस तरह से फेंकना है...
...कि ये बल्ब के दोनों खुले तारों से जा टकराए, और शॉर्ट-सर्किट हो जाए!
कील के दोनों तारों से स्पर्श होते ही हवा में चिंगारियां उड़ीं-
और रोशनियां गुल हो गईं! साथ ही साथ जेनरेटर की गूंज भी शान्त हो गई-
जेनरेटर में करंट का उल्टा प्रवाह होने से जेनरेटर बंद हो गया है-
...यानी इस लोहे की दीवार में उत्पन्न 'विद्युत चुंबकत्व' भी समाप्त हो गया है! और इन मैग्नेटिक लॉकों की शक्ति भी! अब एक मामूली सा झटका ही मुझे इस कैद से...
...आजाद करा देगा!...
...इतनी सफलता के बाद भी असली मुसीबत तो अब शुरू हुई है। क्योंकि जिस रास्ते से मैं यहां तक आया, उस रास्ते को तो इस दीवार ने बंद कर रखा है! और क्विज मास्टर टीटो जिस रास्ते से गया है, वह रास्ता मेरा देखा हुआ नहीं है। अब क्या मैं भी उन बेशुमार लोगों की तरह इन गुफाओं में दफन होकर रह जाऊंगा, जो रास्ता ढूंढने इन गुफाओं में आए, लेकिन फिर वापस नहीं गए!
ध्रुव ने दो लड़ाइयां तो जीत ली थीं, पर युद्ध जीतना अभी बाकी था-

और ये युद्ध जीत पाना ध्रुव के लिए लगभग असंभव था। कम से कम क्विज मास्टर टीटो का तो यही ख्याल था-
उन गुफाओं का रास्ता तलाशने में मुझे तीन महीने लगे थे। न जाने कितने तरीकों का इस्तेमाल किया था मैंने! कभी लंबी डोरी बांधकर गया। कभी रोटी के टुकड़े बिखेरते हुए। कभी निशान लगाते हुए तो कभी... खैर छोड़ो!
मोटी सी बात यह समझ लो कि ध्रुव उन गुफाओं से अब कभी बाहर नहीं आ सकता! कभी नहीं!
ऐसा मत बोलो बॉस! वह ध्रुव है! भूत एक बार चाहे पलट कर न आए, पर उसे गाड़ दो, जला दो, काट दो, फिर भी उसका कोई भरोसा नहीं! कोई न कोई तरीका निकाल ही लेता है वह!
तुम मामूली गुंडों और क्विजमास्टर में यही तो फर्क है। तुम लोग बहुत अंधविश्वासी होते हो। वैसे अगर वह गुफाओं से बाहर आ गया तो मैंने अपना पता वहां पर छोड़ रखा है! 'तू बांध, मैं खोलूं!'
यह मेरी जिन्दगी का आखिरी अपराध होगा। क्योंकि मुझे इसके बाद अपराध करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी...
... अब चलो! तैयारी करो! वक्त कम है!
कुछ ही घंटों में राजनगर पर कयामत टूटने वाली थी! और आज उसे बचाने वाला भी शायद कोई नहीं था-
यस बॉस! सब टनाटन फिट हो गया है!
सारे तार और बम फिट हो गए?
वाह! अब हम आराम से ड्रम में पानी भरने का इंतजार कर सकते हैं...
...क्योंकि अगर

मुझसे बचने का क्या इंतजाम करोगे?
फिर वही आवाज! यानी आ गया फिर से...
सुपर कमांडो ध्रुव! आश्चर्य! आश्चर्य! तू गुफाओं के जाल से बाहर कैसे निकल आया?
सिर्फ बाहर ही नहीं निकला, बल्कि तेरे पने वाली पहेली भी सुलझा ली। 'तू बांध, मैं खोलूं'! अगर यह पता है तो इसमें 'बांध' शब्द की जगह ही हो सकती थी। और राजनगर में एक ही बांध है, यह बैराज.

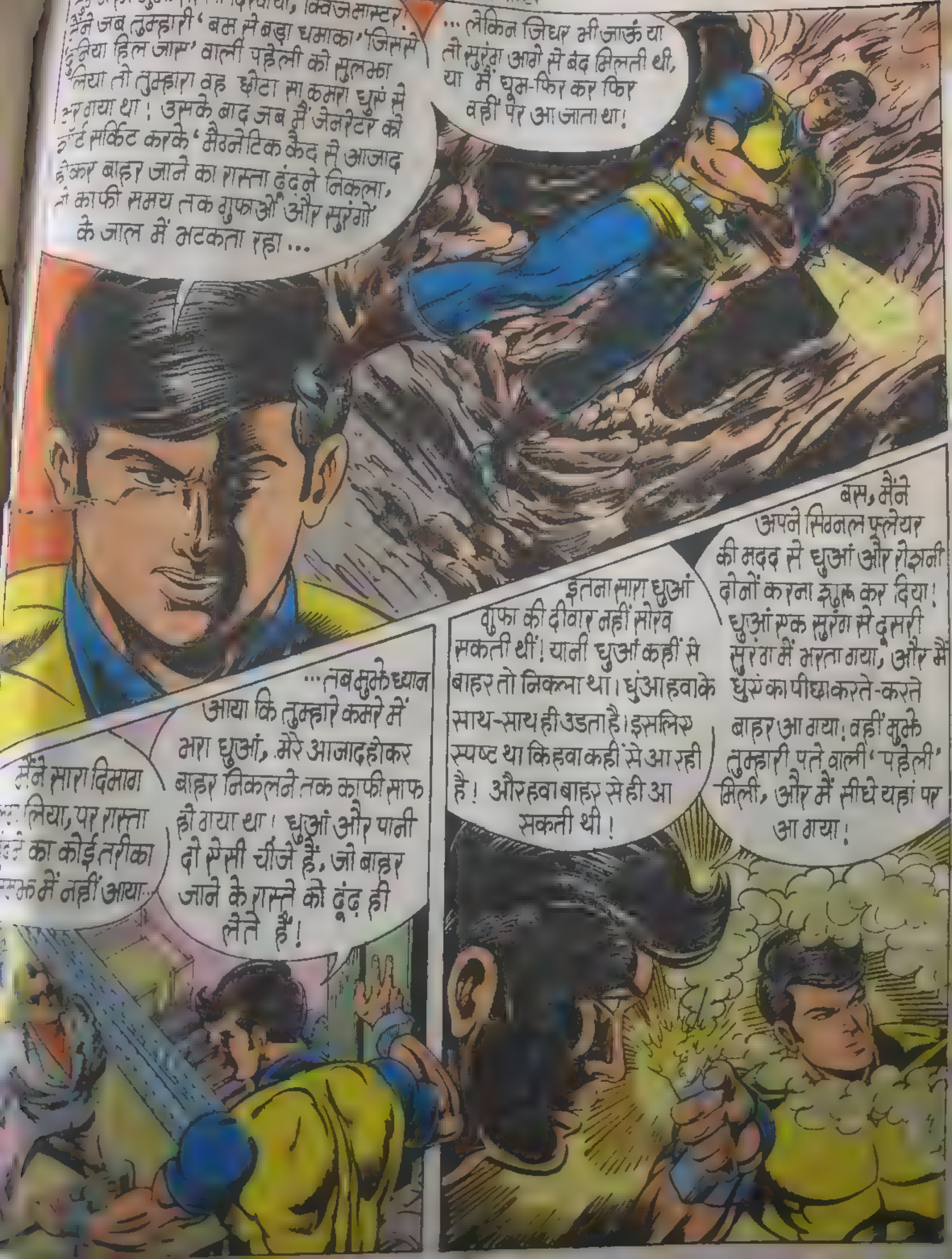
तुमने ही मुझे रास्ता दिखाया, क्विजमास्टर! मैंने जब तुम्हारी 'बम से बड़ा धमाका' जिससे दुनिया हिल जाए' वाली पहेली को सुलझा लिया तो तुम्हारा वह छोटा सा कमरा धुएं से भर गया था! उसके बाद जब मैं जेनरेटर को शॉर्ट सर्किट करके 'मैग्नेटिक कैद' से आजाद होकर बाहर जाने का रास्ता ढूंढने निकला, तो काफी समय तक गुफाओं और सुरंगों के जाल में भटकता रहा...
...लेकिन जिधर भी जाऊं या तो सुरंग आगे से बंद मिलती थी, या मैं घूम-फिर कर फिर वहीं पर आ जाता था!
मैंने सारा दिमाग लगा लिया, पर रास्ता ढूंढने का कोई तरीका समझ में नहीं आया...
...तब मुझे ध्यान आया कि तुम्हारे कमरे में भरा धुआं, मेरे आजाद होकर बाहर निकलने तक काफी साफ हो गया था! धुआं और पानी दो ऐसी चीजें हैं, जो बाहर जाने के रास्ते को ढूंढ ही लेते हैं!
इतना सारा धुआं गुफा की दीवार नहीं सोख सकती थीं! यानी धुआं कहीं से बाहर तो निकला था। धुंआ हवा के साथ-साथ ही उडता है। इसलिए स्पष्ट था कि हवा कहीं से आ रही है! और हवा बाहर से ही आ सकती थी!
बस, मैंने अपने सिग्नल फ्लेयर की मदद से धुआं और रोशनी दोनों करना शुरू कर दिया! धुआं एक सुरंग से दूसरी सुरंग में भरता गया, और मैं धुएं का पीछा करते-करते बाहर आ गया! वहीं मुझे तुम्हारी पते वाली 'पहेली' मिली, और मैं सीधे यहां पर आ गया!

वाह, यह सुनकर तो मेरे दिल से धुआं निकलने लगा है! परन्तु एक बात भूल रहा है, और वह ये कि अगर इस वक्त मैं यहां पर हूं तो इस बात का कोई मतलब तो होगा! याद कर! याद आया? हां, इस वक्त बांध से राजनगर के जलाशयों में पानी छोड़ा जाना है और सिर्फ दस मिनट बैराज का गेट खुल रहने से वे सारे जलाशय भर जाते हैं लेकिन मुझे उस गेट को खोले हुए बीस मिनट से ज्यादा हो चुके हैं! ...और इतनी देर में जलाशयों के आस-पास के इलाकों में कम से कम घुटने-घुटने तक का पानी तो भर ही गया होगा!
उस पानी को तो मैं बन्द कर दूंगा क्विज मास्टर...
...और उस पानी को 'फ्लड ड्रेन' के जरिए समुद्र तक पहुंचने में पच्चीस-तीस मिनट से ज्यादा नहीं लगेंगे!
पर तुम सबको जेल से बाहर निकलने में दस...बीस साल जरूर लगेंगे!
एक मिनट, एक मिनट! तुम तो पूरी बात सुनने से पहले ही हाथ-पैर चलाने लगते हो! देखो! वो सारे तार देख रहे हो न, इन सैकड़ों तारों में एक तार... सिर्फ एक तार उन बमों से जुड़ा हुआ है जो इस बैराज पर जगह-जगह फिट किए गए हैं! और मैं उन बमों को... इस रिमोट से फोड़ सकता हूं! और इस रिमोट की रेंज दस किलोमीटर है!
?

अब तुम बैराज का गेट बन्द करने के बजाय इन बमों पर ध्यान दो, क्योंकि गेट से तो बहुत थोड़ा पानी राजनगर में आएगा, लेकिन अगर ये बम फट गए, और यह बैराज पूरा टूट गया तो फिर राजनगर एक जलमग्न शहर बन जाएगा! अंडर वॉटर सिटी!
अब चलो, फटाफट तार ढूंढो! अगर आधे घंटे के अंदर अंदर बमों से जुड़ा तार न काटा गया तो बम फट जाएंगे वैसे मैं इस रिमोट से भी इनको फटने से रोक सकता हूं. और हां, गलत तार मत काटना! वरना बम अपने आप फट जाएगा!
बड़ा आसान सा काम है न? सैकड़ों में से एक तार ढूंढना! पर मैं तुमको दिमाग लगाने का मौका नहीं दूंगा.
ये माइक्रोफोन लगा टेपरिकार्डर मैं यहां पर छोड़े जा रहा हूं! इसके टेप में मेरी आवाज में सवाल भरे हुए हैं! रैपिड फायर क्वेश्चन!
अब इस टेप के जरिए मैं सवाल पूछूंगा, और माइक्रोफोन के जरिए तुम्हारे जवाब सुनूंगा! न चुप रहना, और न गलत जवाब देना! वरना मैं गुस्सा हो जाऊंगा, और यह बैराज तबाह हो जाएगा... और हां, इस टेप माइक्रोफोन को इधर-उधर सरकाने की कोशिश मत करना! इसके हिलते ही मुझे इसके हिलने का पता चल जाएगा! ...
... अब मैं तुमको शांति से अपना करने देने के लिए यहां से रहा हूं. और भी काम हैं! हंस को मोती चुगने जाना बे, एक ही घूंसे में लगता बुरी तरह हड्डियां टूट गई हैं.

सवाल दगने शुरू हो गए-
वह कौन सा प्रसिद्ध टी॰वी॰ सीरीयल है, जो पहले प्यार से बुलाता है, फिर डांट कर भगा देता है।
आ… हट! सोनी टी॰वी॰ पर आने वाला फेमस हॉरर सीरीयल!
और जवाब कहीं दूर मुड़े जा रहे थे-
हा हा हा! हां ध्रुव! देता जा जवाब, ताकि तुझे वह खास तार ढूंढने का समय ही न मिले!…
…जो सैकड़ों में एक है!
अब मैं अपना काम शुरू करूं! मैंने बांध का पानी राजनगर को तबाह करने के लिए नहीं, बल्कि अपने आपको आबाद करने के लिए छोड़ा है। सिलेंडर और मास्क कहां है?
राजनगर के कुछ क्षेत्रों में सचमुच बाढ़ का सा दृश्य पैदा हो गया था-
यह क्या हो रहा है? कहीं की सीवर लाइन जाम हो गई है क्या?
ऐसा होता तो बदबूदार पानी आता, यह तो फ्रेश वॉटर है!
अरे, बदबूदार हो या फ्रेश हो, पानी तो पानी ही है! मेरा बेसमेंट तो तालाब बन गया है! उसमें रखा सारा माल बर्बाद हो गया! राजनगर महापालिका वालों पर हाईकोर्ट में मुकदमा ठोकूंगा. और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ूंगा! बूहहु

उधर ध्रुव जी तोड़ कोशिश कर रहा था-
संसार की सबसे सुस्त पहाड़ी चोटी कौन सी है?
स्वर-रेस्ट! जो हमेशा आराम करती रहती है यानी स्वरेस्ट चोटी!
ये तो ऐसे सवाल पूछ-पूछ कर मेरा दिमाग खराब किए दे रहा है. मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि सैकड़ों में एक तार कैसे ढूंढूं! ये सारे तार तो एक ही मेंटाई के हैं!
और जब तक मैं तार को ढूंढ कर काट नहीं देता, तब तक मैं बैराज के बाहर गेट बंद करने नहीं जा सकता! क्या करूं! क्या करूं?
ध्रुव को बैराज पर फंसाकर-
मंटो अपने प्लान पर काम कर रहा था-
हा हा हा! आखिर मेरा प्लान पूरा होने वाला है। मैं अपनी मंजिल के सामने हूं. यानी सेंट्रल बैंक ऑफ कॉमर्स की मुख्य शाखा के बेसमेंट में बने अंडर ग्राउंड लॉकर के सामने, जिसमें सैकड़ों किलो सोने के बिस्कुट और सिल्लियां रखी हैं!...
...पर...पर बॉस, इसमें पानी भरने की क्या जरूरत थी?
और दूसरा यह लॉकर. इसमें एयर प्रेशर लॉक लगा है

...और यह गोल दरवाजा तभी खुलता है, जब दरवाजे के दोनों तरफ का दबाव बराबर हो। बैंक अधिकारी इस दरवाजे को खोलने के लिए लॉकर के अंदर की हवा बाहर निकालकर दोनों तरफ का वायु का दबाव बराबर करते हैं। और मैंने इस लॉकर रूम में बाहर की तरफ का पानी भरकर दोनों तरफ का दबाव बराबर कर दिया है। अब द्वार खोलो, और सिल्लियां लेकर निकल लो!
और टीटी की निश्चिंतता बढ़ती जा रही थी-
आहा! सोना ही सोना! सोना ही सोना! यह प्लान पूरा करने से सिर्फ ध्रुव ही मुझे रोक सकता था। इसीलिए मैंने उसे गुफाओं के जाल में फंसाने के लिए उसे अपने अड्डे पर बुलाया था!...पर वह वहां से निकल आया।
उधर बैराज पर हो रहे सवालों और जवाबों की रेडियो तरंगें टीटी तक पहुंच रही थीं-
वह कौन सी बीन है, जो फूंक मारने से नहीं बजती?
दूरबीन!
लेकिन अब वह मेरे पास नहीं आ सकता! क्योंकि वह जैसे ही बैराज से हटेगा, मुझे तुरन्त पता चल जाएगा!
वैसे भी तार ढूंढने से पहले वह वहां से हिल नहीं सकता...
...और वह खास तार ढूंढना उसके बूते से बाहर की बात है!...
...जल्दी-जल्दी सिल्लियों को बैग में भरो; इससे पहले कि यह पानी बाहर निकल जाए, हमें यहां से बाहर निकल लेना है!

और फिर थोड़ी ही देर बाद-
वह क्या चीज है, जिससे सभी चिढ़ते हैं, फिर भी गले से लगने को बेताब रहते हैं।
हार.
ही ही ही ही!
हा हा हा! अपना काम हो गया, और ध्रुव अभी तक बैराज पर ही फंसा हुआ है. किसी को हवा तक भी नहीं लगी कि सेंट्रल बैंक ऑफ कॉमर्स का तीन सौ किलो सोना गायब हो चुका है! भागने का रास्ता मैंने पहले से ही तैयार कर रखा था!...
...यह मोटर बोट! अब हम इस 'ड्रेन पाइप' के जरिए...
सीधे समुद्र में जा निकलेंगे! बाकी सब पानी में डुबकियां खाते बह जाएंगे!
यू आर जीनियस बॉस!
सुपर जीनियस!

दुनिया का सबसे बड़ा मूर्ख कौन है?
वो तो मैं हूं ही! सुपर कमांडो ध्रुव की नाक के नीचे से इतनी बड़ी लूट करके सुरक्षित निकल लेना किसी जीनियस का ही काम हो सकता है! अब जरा ध्रुव के सवाल-जवाब भी सुन लिए जाएं. आधे घंटे की टेप अब खत्म होने ही वाली है.
डिजास्टर टीटी!
नहीं! गलत! जवाब गलत है! सही जवाब है... सुपर कमांडो... अरे, एक मिनट, यह आवाज तो माइक्रोफोन रिसीवर से नहीं आई! कहीं पास से आई है, यानी...
यानी मैं सचमुच पास में ही हूं.
सुपर कमांडो ध्रुव! तू...तू यहां कैसे आ गया? तेरी आवाज तो अभी तक रिसीवर से आ रही थी! और...और मैंने तो तुझे यहां का पता भी नहीं बताया था!
बताना तो नहीं चाहा होगा, पर अपने बड़बोलेपन में बता गए थे टीटी!

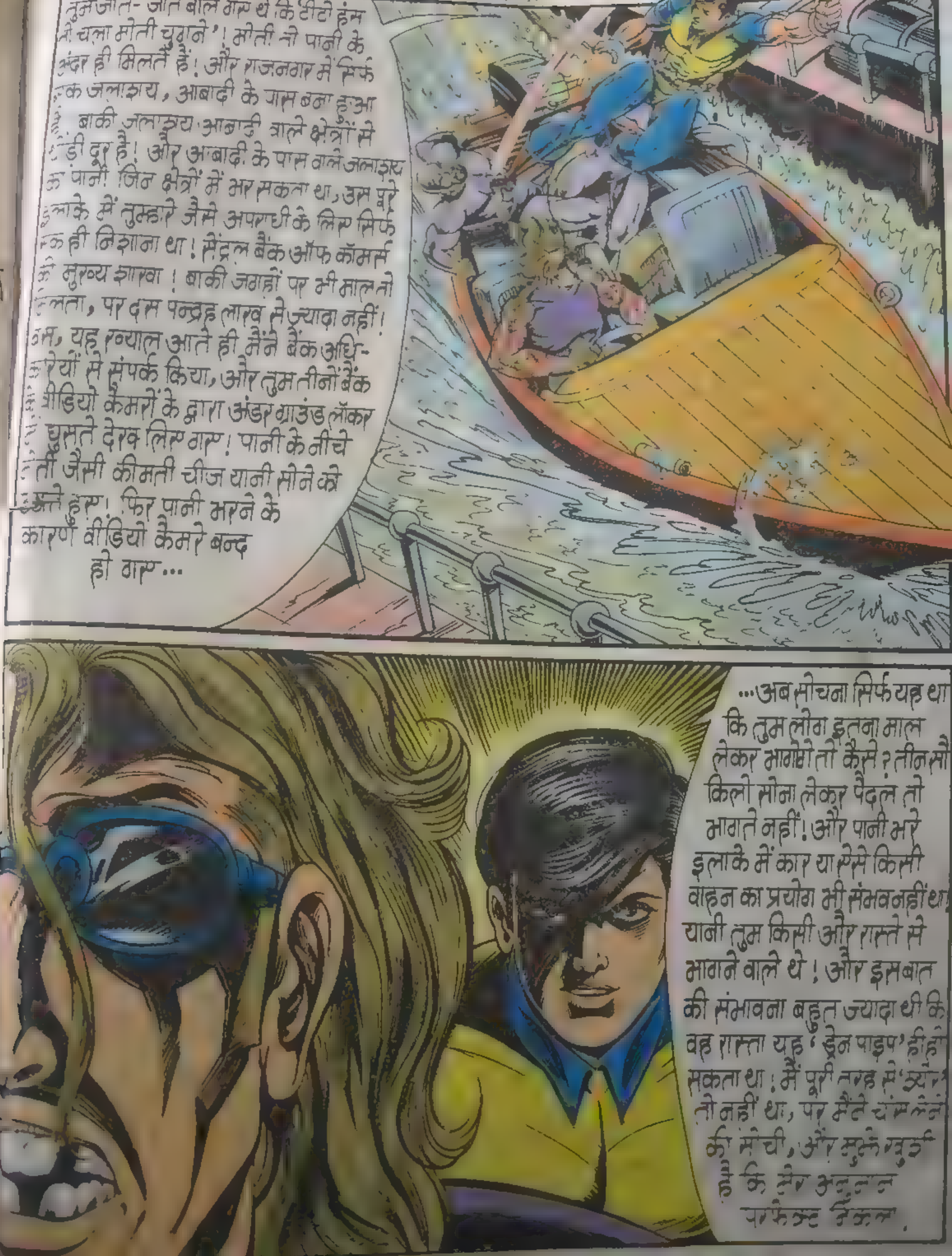
तुम जाते- जाते बोल गए थे कि 'टीटो हंस भी चला मोती चुगने'! मोती तो पानी के अंदर ही मिलते हैं! और राजनगर में सिर्फ एक जलाशय, आबादी के पास बना हुआ है, बाकी जलाशय आबादी वाले क्षेत्रों से थोड़ी दूर है! और आबादी के पास वाले जलाशय का पानी जिन क्षेत्रों में भर सकता था, उस पूरे इलाके में तुम्हारे जैसे अपराधी के लिए सिर्फ एक ही निशाना था! सेंट्रल बैंक ऑफ कॉमर्स की मुख्य शाखा! बाकी जगहों पर भी माल तो मिलता, पर दस पन्द्रह लाख से ज्यादा नहीं। बस, यह ख्याल आते ही मैंने बैंक अधिकारियों से संपर्क किया, और तुम तीनों बैंक के वीडियो कैमरों के द्वारा अंडर ग्राउंड लॉकर में घुसते देख लिए गए! पानी के नीचे मोती जैसी कीमती चीज यानी सोने को ढूंढते हुए। फिर पानी भरने के कारण वीडियो कैमरे बन्द हो गए...
...अब सोचना सिर्फ यह था कि तुम लोग इतना माल लेकर भागोगे तो कैसे? तीन सौ किलो सोना लेकर पैदल तो भागते नहीं! और पानी भरे इलाके में कार या ऐसे किसी वाहन का प्रयोग भी संभव नहीं था, यानी तुम किसी और रास्ते से भागने वाले थे! और इस बात की संभावना बहुत ज्यादा थी कि वह रास्ता यह 'ड्रेन पाइप' ही हो सकता था! मैं पूरी तरह से 'श्योर' तो नहीं था, पर मैंने चांस लेने की सोची, और मुझे खुशी है कि मेरा अनुमान परफेक्ट निकला.

अनुमान तो सही निकला, पर अब मुझे यह देखना है...
... कि तुम्हारा बैलेंस कितना सही है!...
... क्योंकि अब हम समुद्र में पहुंच चुके हैं!
मोटर बोट तेजी से हवा में उड़कर समुद्र की तरफ गिरी-
और ध्रुव का शरीर छिटककर मोटरबोट से दूर जा गिरा-
हा हा हा! बाय ध्रुव! बस, इतना रहस्य जानने की तमन्ना दिल में ही रह गई कि तूने बैराज पर बम के तार को कैसे ढूंढा, और मेरे ट्रांसमीटर रिसीवर पर जवाब देते-देते ड्रेन पाइप तक कैसे पहुंच गया?
मेरे दिल में भी तुमको पूरा रहस्य बताने की बडी तमन्ना है, टीटो...

...इसलिए मैं भी तुमको भागने नहीं दूंगा!
ओ, ओ! यह तो मेरे पीछे ही पड़ गया है! अब मैं क्या करूं? स्पीड बढ़ाऊं, घटाऊं ...या...आह्रा!...
क्विज मास्टर टीटो ने मोटर बोट को घुमाया तो निशाना साधकर ही था-
...या इसको पत्थरों से टकरा दूं! यस! टकरा ही देता हूं!
लेकिन जुपिटर सर्कस में सधे ध्रुव के कलाबाज शरीर ने इस वार को अपना हथियार बना लिया-
स्केट-शूज की मदद से चट्टान पर से चढ़ता हुआ ध्रुव हवा में उड़ा-
और सीधे अपने निशाने पर आ गिरा-
तड़ाकक्क
आऽऽऽह! तेरी चालें तो मेरे लिए ही एक पहेली बन गई हैं ध्रुव! कब, किस चीज में क्या कर देगा, कुछ पता ही नहीं चलता। पर अब तो बता दे कि तूने ये सब किया कैसे?

सबसे पहले तुम्हारी इस जिज्ञासा को शान्त कर दूं कि मैंने सैकड़ों तारों में से एक तार को कैसे ढूंढा! तुम्हारी इस बार की पहेली जरा कठिन थी, क्योंकि मुझे इसका हल ढूंढने के साथ-साथ तुम्हारे सवालों के जवाब भी देते रहने थे। लेकिन मुझे जल्दी ही समझ में आ गया था कि सभी तार एक समान मोटाई के तो नहीं थे, लेकिन उन सबमें सौ-सौ पतले तार समाने की जगह थी! यानी मुझे वह 'सैकड़ों में एक' तार ढूंढना था, जिसकी मोटाई तो बाकी तारों जैसी हो, पर जिसमें सिर्फ एक तार हो! समय कम था, और तार बहुत सारे थे। एक-एक तार को चेक कर पाना मुश्किल था! कोई ऐसा तरीका निकालना था, जिससे चेकिंग एक बार में ही हो जाए! और वह तरीका बहुत आसान था!
नीचे पानी बह रहा था। मैंने तेजी से रेलिंग तोड़नी शुरू कर दी! रेलिंग पर लटके तार अपना आधार खोकर बहते पानी में डूबने लगे। लेकिन सभी तार नहीं। सिर्फ एक तार नहीं डूबा। क्योंकि प्लास्टिक के उस तार की मोटाई तो सौ पतले तार को समाने लायक थी, पर उसके अंदर सिर्फ एक तार था! इसलिए वह डूबा नहीं, पानी के ऊपर तैरता रहा! और यही वह तार था, जिसकी मुझे तलाश थी!

उस तार को काटने से बमों के फटने का खतरा तो खत्म हो गया था, लेकिन बैराज के गेट से पानी का बहना जारी था। पर मैं बैराज का गेट बन्द करने जा नहीं सकता था, क्योंकि मुझे सवालों के जवाब देते रहने थे! मैं तुम्हारे ट्रांसमीटर रिसीवर से दूर नहीं जा सकता था!...
यही तो मैं जानना चाहता हूं। तू जवाब देते- देते ड्रेन पाइप तक कैसे आ गया?
समस्या जितनी मुश्किल होती है, अधिकतर केसों में उसका हल उतना ही आसान होता है। इस केस में भी ऐसा ही कुछ था!... एक ही साथ दो जगहों पर होने के लिए मुझे अपने स्टार ट्रांसमीटर के दोनों हिस्से अलग- अलग करने पड़े।...
...ट्रांसमीटर
यानी संदेश भेजनेवाला
हिस्सा अलग और रिसीवर यानी संदेश
हण करने वाला हिस्सा अलग। ट्रांसमीटर
मैंने अपने पास रख लिया और रिसीवर
ले हिस्से को तुम्हारे ट्रांसमीटर
सीवर के पास चिपका दिया! अब मैं
हीं पर भी आने- जाने के लिए
स्वतंत्र था!
तुम मेरी वह आवाज सुन रहे थे, जो मेरे ट्रांसमीटर से होती हुई मेरे रिसीवर तक पहुंच रही थी...

और मेरे रिसीवर की आवाज को ग्रहण करके तुम्हारा रिसीवर-ट्रांसमीटर मेरे जवाबों को तुम तक पहुंचाता जा रहा था, क्योंकि मैंने अपने ट्रांसमीटर की फ्रीक्वेंसी इस तरह से सेट कर दी थी कि मेरा रिसीवर, मेरे ही ट्रांसमीटर की आवाज को ग्रहण कर ले! अब मेरे एक सवाल का जवाब दो! तुम जैसे अपराधी और चूहों में क्या समानता होती है?
नहीं बताते? अच्छा, मैं बताता हूं!
दोनों एक न एक दिन अपनी लालच के कारण पिंजरे में फंस जाते हैं...
... या फिर जान से हाथ धो बैठते हैं!
अब मैं पहले तुमको जेल में डिपॉजिट करूंगा!...
...और फिर तुमको जेल के पिंजरे में!...
...उसके बाद मेरा काम हो जाएगा!